जापानी मस्तिष्क ज्वर

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा
भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243122 (उ०प्र०)

जापानी मस्तिष्क ज्वर जिसे आम तौर पर दिमागी बुखार कहा जाता है, एक विषाणु जनित बीमारी है। यह बीमारी इंसानो में मच्छर के काटने से फैलती है। हमारे देश मे प्रति वर्ष सैकड़ों बच्चों की मौत इस रोग की वजह से होती है।

परिसंचरण - चक्र

संक्रमित मच्छर द्वारा शूकर को काटने से विषाणु का शूकरों में बहुगुणन

संवर्धीक शूकरों से मच्छर द्वारा विषाणु परिसंचरण एवं अश्ववंशीय पशुओं और मनुष्यों में संक्रमण

क्यूलेक्स प्रजाति के संक्रमित मच्छर द्वारा विषाणु का परिसंचरण

भ्रमणकारी पक्षियों (बगुले, सारस, बत्तख आदि) में विषाणु का प्राकृतिक संक्रमण

बच्चों में मस्तिष्क ज्वर

अश्वंशीय पशुओं में मस्तिष्क ज्वर

लक्षण

- पशु: अधिकतर पशुओं में रोग के लक्षण प्रकट नहीं होते
- शूकर: गर्भपात, मरा बच्चा पैदा होना, कमजोर बच्चा पैदा होना
- अश्व: बुखार आना, मस्तिष्क शोथ, मृत्यु
- मानव : 3 से 15 साल के बच्चे अधिकतर प्रभावित होते है
- तीव्र ज्वर, आँखों में कीचड़ आना
- चेहरे पर कोई भाव नहीं आना
- गर्दन का दृढ़ हो जाना, आक्षेप, लकवा
- सही समय पर इलाज ना होने पर मृत्यु (10 दिन के अन्दर)

शूकरों में गर्भपात

अश्वों में मस्तिष्क शोथ

बचाव एवं नियंत्रण

क्या करें

- बच्चों का उपयुक्त टीकाकरण करवाएँ
- मच्छरों पर नियन्त्रण
- मच्छरों के लार्वा को खाने वाली मछली (गम्बूसिया) का तालाबों में प्रयोग करें
- मच्छरदानी एवं मच्छर भगाने के उपकरणों का उपयोग करें
- प्रभावित मरीजों का त्वरित उपचार

बच्चों में लकवा

टीका *गम्बूसिया मछली*

क्या ना करें

- घर के आस पास पानी इकट्ठा ना होने दें
- बच्चों को शाम को बाहर बिना पूरी बाजू के कपड़ों के ना जाने दें
- स्वयं इलाज करने की कोशिश ना करें।

पानी इकट्ठा ना होने दें

संरक्षण : **डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति (कार्यकारी), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
मार्गदर्शन : **डॉ. हरेन्द्र कुमार**, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) एवं **डॉ. महेश चन्द्र**, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा विभाग), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (उ.प्र.)
लेखक : **डॉ. हिमानी धान्जे**, वैज्ञानिक, **डॉ. एम. सुमन कुमार**, वैज्ञानिक, **डॉ. डी.के. सिंह**, प्रधान वैज्ञानिक, पशु-जनस्वास्थ्य विभाग
संपादन : **डॉ. रूपसी तिवारी**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
अधिक जानकारी हेतु संपर्क: आई.वी.आर.आई. हेल्पलाइन, 0581-2311111, किसान कॉलसेन्टर: 1800-180-1551, आई०वी०आर०आई० वेबसाइट: www.ivri.nic.in
प्रकाशन का वर्ष: 2021